Teacher's Manual

Carvaan

व्याकरण

Preparatory Stage

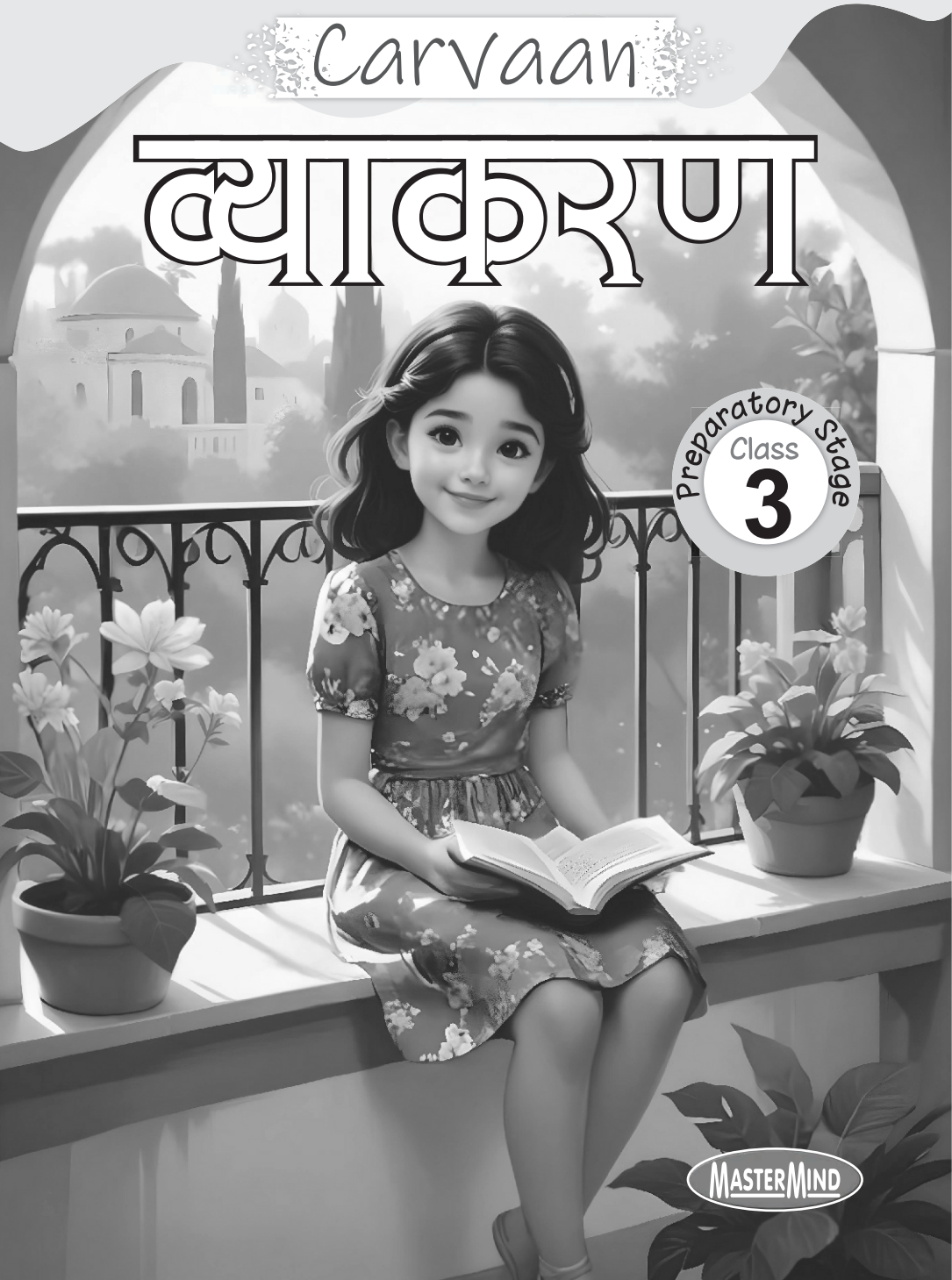

Class 3

MasterMind

Carvaan

व्याकरण भाग-3

अध्याय 1

भाषा और व्याकरण

मौखिक प्रश्न

उ० (क) भाषा वह है जिसके द्वारा विचारों तथा भावों का आदान-प्रदान किया जाता है।

(ख) भाषा के लिखने के चिह्नों का व्यवस्थित रूप लिपि कहलाता है।

(ग) व्याकरण वह शास्त्र है जिसके द्वारा हम शुद्ध बोलना, लिखना तथा पढ़ना सीखते हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)
(घ) (iii) (ङ) (ii)

उ०2. (क) बोलकर (ख) लिखित (ग) 14 सितंबर
(घ) व्याकरण (ङ) रोमन

उ०3. (क) मराठी (ख) हिंदी (ग) पंजाबी
(घ) बांग्ला (ङ) गुजराती

उ०4. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗

उ०5. (क) काली बिल्ली दूध पी गई।
(ख) आसमान में तारे चमकते हैं।
(ग) यह बस्ता शीला का है।
(घ) सविता पुस्तक पढ़ रही है।
(ङ) नेताजी मंच पर आ गए हैं।

उ०6. (क) विचारों का आदान-प्रदान में हम लिखित तथा मौखिक रूप से करते हैं।

(ख) वे दोनों भाषा मौखिक रूप का प्रयोग कर रहे हैं।

(ग) लिखित तथा मौखिक दोनों रूप से हम अपने विचार प्रकट करते हैं।

(घ) व्याकरण हमें भाषा को शुद्ध रूप से लिखना, पढ़ना तथा बोलना सीखाता है।

उ०5. (क) गुजराती (च) हिंदी
(ख) मलयालम (छ) पंजाबी
(ग) असमियाँ (ज) तेलुगु
(घ) मणिपुरी (झ) तमिल
(ङ) राजस्थानी (ञ) मराठी

अध्याय 2
वर्ण

मौखिक प्रश्न

उ० (क) जिस ध्वनि के ओर टुकड़े न हो सकें उसे वर्ण या अक्षर कहते हैं।

(ख) वर्णों को सही क्रमबद्ध करके लिखना वर्णमाला कहलाता है।

(ग) आयोगवाह, संयुक्त व्यंजन तथा विकसित व्यंजन। जैसे- ज्ञ, श्र, ढ़ तथा ड़।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)
(घ) (i)

उ०2.

फल	**फूल**	**मिठाई**
जामुन	गुलाब	गुलाबजामुन
सेब	चमेली	बरफी

उ०3.

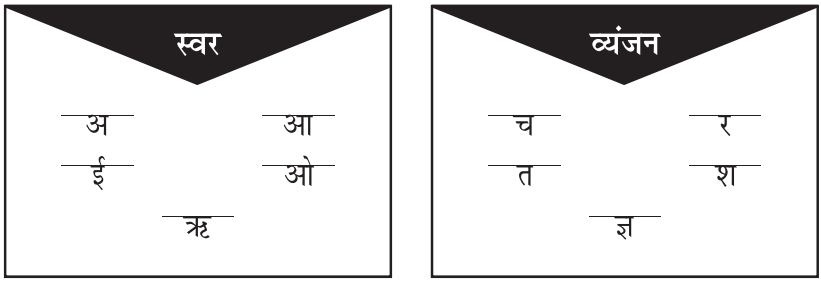

उ०4.

(क) अधेरा	अँधेरा	(ख) मूछ	मूँछ
(ग) पूछ	पूँछ	(घ) गगा	गंगा
(ङ) पख	पंख	(च) ऊट	ऊँट
(च) चचल	चंचल	(ज) मा	माँ

उ०5.

(क) क्+ष = क्ष	क्षत्रिय	क्षीर सागर	क्षय	क्षरण
(ख) त्+र = त्रि	त्रिशूल	त्रिलोक	त्रिकोण	त्रयंबक
(ग) ज्+ञ = ज्ञ	ज्ञानी	ज्ञाता	ज्ञान	ज्ञानमूर्ति
(घ) श्+र = श्र	श्रमिक	श्रीमान	श्रम	श्रवण

क्रियात्मक कार्य

- स्वयं करें।

अध्याय 3
स्वरों की मात्राएँ

मौखिक प्रश्न

उ० (क) 'अ' की मात्रा नहीं होती है।

(ख) मात्राओं का प्रयोग व्यंजन के साथ होता है।

(ग) 'र' के साथ 'उ', ऊ की मात्रा 'र' के पेट अर्थात बीच में लगती है। जैसे- रूप, रुचि आदि।

(घ) ऋषि, ऋण, ऋतु आदि ऋ की मात्रा के उदाहरण हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

(घ) (ii)

उ०2. द+ई = दीपक क+इ = किताब

भ+आ = भालू प+उ = पुलाव

क+ऋ = कृषक फ+ऊ = फूल

उ०3.

गुलाब

केला

हाथी

गोभी

किताब

औरत

माला

रूपया

क्रियात्मक कार्य

- 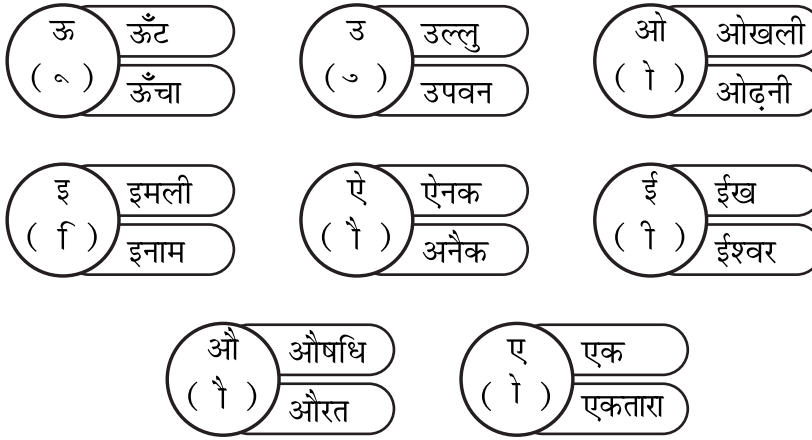
ऊ
(ू)
ऊँट
ऊँचा
उ
(ु)
उल्लु
उपवन
ओ
(ो)
ओखली
ओढ़नी
इ
(ि)
इमली
इनाम
ऐ
(ै)
ऐनक
अनैक
ई
(ी)
ईख
ईश्वर
औ
(ौ)
औषधि
औरत
ए
(े)
एक
एकतारा

अध्याय 4

शब्द और वाक्य

मौखिक प्रश्न

उ० (क) शब्द वर्णों के मेल से बनते हैं।

(ख) सार्थक शब्दों के मेल से वाक्य बनते हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (ii)

उ०2. (क) वाक्य (ख) अर्थ (ग) विधेय

(घ) उद्देश्य

उ०3. (क) रजत विद्यालय नहीं गया।

(ख) डाकघर में टिकट नहीं मिले।

(ग) सोनल ने दही-जलेबी खाई।

(घ) 14 सितंबर को हिंदी दिवस होता है।

क्रियात्मक कार्य

•	**शब्द**	**वाक्य**
	पक्षी	मोर बाग में रहता है।
	कछुआ	नेहा ने मुझे पुस्तक दी।
	बंदर	यह मेरा स्कूल है।
	पेन्सिल	क्या तुमने लाल किला देखा है?

अध्याय 5
संज्ञा

मौखिक प्रश्न

उ० (क) किसी प्राणी, वस्तु, स्थान अथवा अवस्था के नाम को संज्ञा कहते हैं।

(ख) हाथी, कपिल, रायबरेली, ठंडा आदि।

(ग) समूहवाचक संज्ञा।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (i)

उ०2.

व्यक्ति के नाम	राहुल	अमिताभ	राजन
भाव के नाम	गरमी	सरदी	हरियाली
प्राणी के नाम	बिल्ली	बकरी	गिलहरी
शहर के नाम	बनारस	दिल्ली	मुंबई
दिनों के नाम	मंगलवार	शुक्रवार	शनिवार

उ०3. (क) संज्ञा के तीन भेद होते हैं–

(i) व्यक्तिवाचक (ii) जातिवाचक (iii) भाववाचक

(ख) जिस शब्द से किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान का बोध होता है उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- अच्छाई, क्रोध, गरमी, मिठास आदि।

(ग) जिन शब्दों से द्रव्य (पदार्थ) का बोध होता है उसे द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं। जैसे- सोना, चावल, जल आदि।

क्रियात्मक कार्य

•

लडकी

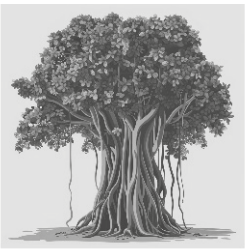

पेड

अंगूर

अध्याय 6
लिंग : पुल्लिंग-स्त्रीलिंग

मौखिक प्रश्न

उ० (क) स्त्री या पुरुष की जाति का बोध कराने वाले शब्द लिंग कहलाते हैं।

(ख) लिंग दो प्रकार के होते हैं– स्त्रीलिंग और पुल्लिंग।

(ग) सरिता, दादीजी, गाय, माता, देवी आदि।

(घ) घोड़ा, अमित, सूर्य, पति, युवक आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (i)

(घ) (ii)

उ०2.

पुजारी	पुजारिन	देवी	देवता
राजा	रानी	शेरनी	शेर
नायक	नायिका	वधू	वर
श्रीमान	श्रीमती	दुल्हन	दुल्हा

उ०3. (क) अध्यापक पढ़ा रहे हैं।

(ख) रजनी गुड़िया से खेल रही है।

(ग) बैल घास खा रहा है।

(घ) माँ ने भिखारी को भोजन दिया।

(ङ) गायिका ने मधुर गीत गाया।

उ०4. (क) शब्द के जिस रूप से स्त्री या पुरुष जाति का बोध हो, उसे लिंग कहते हैं।

(ख) लिंग दो प्रकार के होते हैं-

पुल्लिंग– पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिंग कहलाते हैं। जैसे– बालक, आदमी, घोड़ा, राजा, आदि।

स्त्रीलिंग– स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे– बालिका, औरत, घोड़ी, रानी, आदि।

(ग) स्त्रीलिंग स्त्री जाति के लिए प्रयोग होता है, जैसे- शिक्षिका, माला, नदी आदि।

पुल्लिंग पुरुष जाति के लिए प्रयोग किया जाता है, जैसे- लडका, शेर, देवता आदि।

क्रियात्मक कार्य

-
मोर-पुल्लिंग

नारी- स्त्रीलिंग

पुस्तक- स्त्रीलिंग

राजा- पुल्लिंग

शिक्षिका-स्त्रीलिंग

हाथी-पुल्लिंग

गायिका-स्त्रीलिंग

गाय-स्त्रीलिंग

अध्याय 7

वचन

लिखित प्रश्न

उ० (क) (iii) (ख) (i)

उ०2. (क) जूते (ख) मिठाईयाँ (ग) बेटों

उ०3. (क) फूलों पर तितलियाँ बैठी हैं।
(ख) गाय घास खा रही है।
(ग) नानी ने कहानियाँ सुनाई।
(घ) कमरे में कुर्सियाँ रख दो।

उ०4. (क) कमरे में चार खिड़कियाँ हैं।
(ख) सविता ने तीन कॉपियाँ खरीदीं।
(ग) सोनू सारे रसगुल्ले खा गया।

क्रियात्मक कार्य

कुर्सी	कुर्सियाँ
मेज	मेजें
खिड़की	खिड़कियाँ
पंखा	पंखें
दीवार	दीवारें

अध्याय 8
सर्वनाम

मौखिक प्रश्न

उ० (क) संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द को सर्वनाम कहते हैं।
(ख) व्यक्ति, जीव, संबंध आदि बताने के लिए।
(ग) एकवचन : जैसे- मैं, वह आदि।
बहुवचन : जैसे- हम, वे आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)
(घ) (iii)

उ०2. (क) कोई (ख) मैंने (ग) आप, कब
(घ) हम (ङ) तुम्हारा

उ०3. (क) रंजीता की माँ ने उसे बुलाया।
(ख) आदित्य, अपने मामा के घर गया।
(ग) सुगम ने अजय से पूछा कि तुम कब आओगे।
(घ) यह मेरा कुत्ता है, इसका नाम रॉकी है।
(ङ) यह रमा है। वह मेरी सखी है।

क्रियात्मक कार्य

उ० (ख) **वह** – वह कल अपने मामा जी के घर जायेगा।
मैं – मैं व्याकरण का पाठ पढ़ रहा हूँ।
तुम – तुम कहाँ जा रहे हो?
आप – आप कौनसी पुस्तक पढ़ रहे हैं?
यह – यह एक पैन है।

अध्याय 9
विशेषण

मौखिक प्रश्न

उ० (क) विशेषता बताने वाले शब्द को विशेषण कहते हैं।

(ख) विशेषण संज्ञा की विशेषता अथवा गुण-दोष आदि के बारे में बताते हैं।

(ग) विशेषण भाषा को सुंदर बनाने का कार्य करते हैं।

(घ) अमीर, मीठा, पतला, लाल, बचपन आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

(घ) (i)

उ०2.

गोल घड़ा

नटखट खरगोश

छोटा बच्चा

काला बादल

चार कुर्सियाँ

नई साइकिल

उ०3.

ऊँचे	पर्वत	ताजा	दूध
स्वादिष्ट	भोजन	नया	घर
बुद्धिमान	छात्र	आठ	पैन
चालाक	लोमड़ी	मीठे	फल
अमीर	आदमी	हँसमुख	लड़का

क्रियात्मक कार्य

उ० (क) स्वयं करें।

उ० (ख) विशेषण : (i) जंगली जानवर

(ii) ठंडा पानी

(iii) शरारती बंदर

(iv) हरे पेड़

(v) बड़ा पिंजरा

(vi) ऊँचा पेड़

(vii) भयानक मगरमच्छ

(viii) दो बच्चे

(ix) मोटा हाथी

(x) सुन्दर चिड़ियाघर

वाक्य : (i) कल हम दोनों पास के चिड़ियाघर गये थे।

(ii) वहाँ ऊँचे-ऊँचे पेड़ थे।

(iii) एक पेड़ पर शरारती बंदर बैठा था।

(iv) वहाँ पानी में एक भयानक मगरमच्छ भी था।

(v) शेर एक बड़े से पिंजरे में बंद था।

अध्याय 10

क्रिया

मौखिक प्रश्न

उ० (क) काम होने या करने को क्रिया कहते हैं।

(ख) उगना, अस्त होना, हवा चलना आदि।

(ग) स्वयं करें।

(घ) चलना, दौड़ना, आना, नाचना, पढ़ना आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (iii)

(घ) (iii)

उ०2.

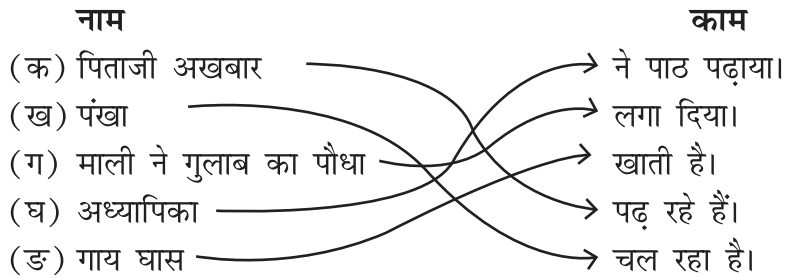

(क) पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं।

(ख) पंखा चल रहा है।

(ग) माली ने गुलाब का पौधा लगा दिया।

(घ) अध्यापिका ने पाठ पढ़ाया।

(ङ) गाय घास खाती है।

उ०3. (क) जाती हूँ। (ख) लगी है।

(ग) उड़ रहे हैं। (घ) भाग रही है।

(ङ) सिलता है। (च) गाया।

क्रियात्मक कार्य

उ० (क)

(नाचना)	झगड़ना	पीटना	(प्रार्थना करना)
(पढ़ना)	(लिखना)	रोना	कक्षा कार्य करना
तोड़ना	(खेलना)	(कविता पढ़ना)	(साफ रहना)

उ० (ख)

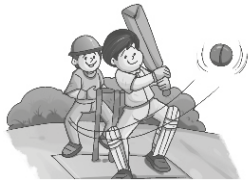

खेलना

रोना

बात करना

खाना

झूलना

दौड़ना

उ० (ग) नाचना – सर्कस में भालू नाच रहा था।
बजाना – मैंने सितार बजाना सीखा है।
बेचना – वह फल बेचता है।
सुनाना – रिया़ को संगीत सुनना पसंद है।
चलाना – सड़क पर ध्यानपूर्वक गाड़ी चलानी चाहिए।

उ० (घ) स्वयं करें।

अध्याय 11

अशुद्ध शब्दों के शुद्ध रूप

मौखिक प्रश्न

उ० (क) भाषा संबंधी अशुद्धियों के कारण भाषा अशुद्ध हो जाती है।

(ख) बीमारी।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (iii)

(घ) (i)

उ०2.

(क) बहूत	–	बहुत	(ङ) पड़ौसी	–	पड़ोसी
(ख) आर्शीवाद	–	आशीर्वाद	(च) डॉक्टर	–	डॉक्टर
(ग) कियोंकि	–	क्योंकि	(छ) इसलीए	–	इसलिए
(घ) परिक्षा	–	परीक्षा	(ज) सन्यासी	–	संन्यासी

उ०3.

(क)	स्वस्थ	स्वस्थ	(स्वास्थ्य)
(ख)	(कृपा)	किपृया	कृपिया
(ग)	संयासी	(संन्यासी)	सन्यासी
(घ)	बिमारि	(बीमारी)	बीमारि

उ०2. (क) रघुवंश ने पत्र लिखा।

(ख) मैं भगवान के लिए फूलों की एक माला लाई।

(ग) गाड़ी में आठ लोग बैठे हैं।

(घ) तुम किस ओर जा रहे हो।

क्रियात्मक कार्य

उ० (क)

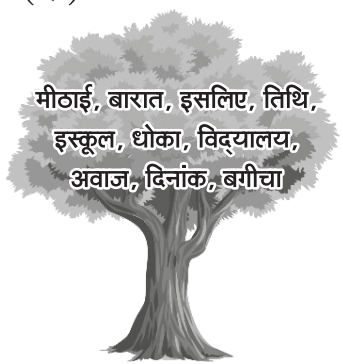

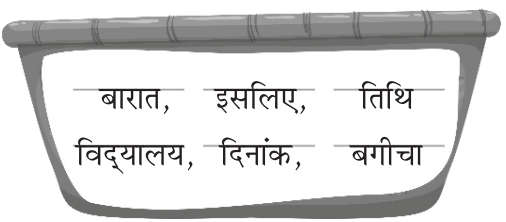

(ख) 1. बिमार – बीमार = रोहन सर्दी लगने से बीमार हो गया।
2. बरात – बारात = विनय की बारात में उसके दादाजी भी नाचे थे।
3. ग्रहकार्य – गृहकार्य = गृहकार्य सभी छात्र अपना गृहकार्य दिखाएँ।
4. आर्शीवाद – आशीर्वाद = हमें अपने से बड़ों का आशीर्वाद लेना चाहिए।
5. दिपावली – दीपावली = दीपावली पर मौसम बहुत सुहावना होता है।
6. पढ़ौसी – पड़ोसी = हमारे पड़ोसी बहुत अच्छे स्वभाव के हैं।
7. शीकार – शिकार = जीवों का शिकार करना अनुचित है।
8. मैहनत – मेहनत = श्रमिकों की मेहनत रंग लाई।
9. दीशा – दिशा = तुम किस दिशा में जा रहे हो?

अध्याय 12

पर्यायवाची शब्द

मौखिक प्रश्न

उ० (क) समानार्थी

(ख) पानी, नीर, वारि, तोय आदि।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) पेड़ – वृक्ष (ख) माँ – जननी

(ग) गगन – नभ (घ) कुसुम – पुष्प

उ०2. (क) परिश्रम (ख) वस्त्र (ग) वायु

(घ) प्रभु (ङ) जननी

उ०3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓

(घ) ✗ (ङ) ✓

उ०4. (क) (ख) 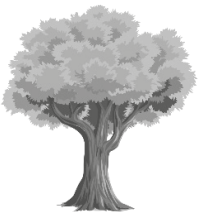 (ग)

फूल	पेड़	पक्षी
पुष्प	वृक्ष	खग
कुसुम	तरु	अंडज

क्रियात्मक कार्य

•

1. पेड़ – तरु, वृक्ष 2. रानी – राज्ञी, महारानी 3. राजा – नरेश, भूप
4. महल – राजभवन, राजनिवास, 5. राह – रास्ता, डगर

अध्याय 13

विलोम शब्द

मौखिक प्रश्न

उ० (क) विपरीतार्थक शब्द

(ख) अंधकार

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) दुख (ख) धनी (ग) पुरानी

(घ) सत्य (ङ) पराया

उ०2. (क) आगे – पीछे (ङ) कड़वा – मीठा

(ख) सुन्दर – कुरूप (च) दूर – पास

(ग) मौखिक – लिखित (छ) आशा – निराशा

(घ) सच – झूठ (ज) प्रश्न – उत्तर

उ०3. सज्जन – जन, (दुर्जन,) निर्जन

राजा – देव, राजकुमार, (रंक)

शुद्ध – (अशुद्ध,) शुद्धता, पवित्र

कोमल – नाजुक, (कठोर) नरम

निडर – (डरपोक,) डरावना, बलवान

उपकार – कृतज्ञ, (अपकार,) सम्मान

क्रियात्मक कार्य

- स्वयं करें।

अध्याय 14

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

मौखिक प्रश्न

उ०1. (क) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द के प्रयोग से भाषा सुंदर एवं प्रभावशाली बनती है।

(ख) परीक्षार्थी।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) सुनार (ख) फलाहारी (ग) किसान
(घ) दैनिक (ङ) अनाथ (च) बढ़ई
(छ) मूर्तिकार (ज) निडर

उ०2. (क) बढ़ई (ख) शिक्षक (ग) निर्धन
(घ) किसान (ङ) शाकाहारी

उ०3. वार्षिक – एक वर्ष में होने वाला
चित्रकार – चित्र बनाने वाला
अमर – जो कभी न मरे
कुम्हार – मिट्टी के बरतन बनाने वाले
डाकिया – पत्र बाँटने वाला
चिकित्सक – रोगी का इलाज करने वाला

क्रियात्मक कार्य

- स्वयं करें।

अध्याय 15

मुहावरे

मौखिक प्रश्न

उ० (क) विशेष अर्थ वाले वाक्यांश को मुहावरे कहते हैं। जैसे- आँखें खुलना।

(ख) भाषा को सुन्दर बनाने के लिए हम मुहावरों का प्रयोग करते हैं।

लिखित प्रश्न

उ०1. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

उ०2. (क)
पाँव पर कुल्हाड़ी मारना

(ख)
पापड़ बेलना

(ग)
आँख का तारा

उ०3.

(क) नाक में दम करना	(i) खुशियाँ मनाना
(ख) अँगूठा दिखाना	(ii) बहुत खुश होना
(ग) घी के दिये जलाना	(iii) बहुत परेशान करना
(घ) होश उड़ जाना	(iv) साफ़ मना कर देना
(ङ) फूला न समाना	(v) बहुत डर जाना

उ०4. (क) कक्षा में प्रथम आने पर स्कूल के प्रधानाचार्य ने रोहन की पीठ थपथपायी।

(ख) करिश्मा पूरे दिन सबके कान भरती रहती है।

(ग) माता-पिता के बार-बार समझाने पर भी सुमित के कान पर जूँ नहीं रेंगती।

(घ) शेर को सामने देखकर मोहित भीगी बिल्ली बन गया।

(ङ) पुलिस को देखकर चोर नौ दो ग्यारह हो गये।

क्रियात्मक कार्य

- स्वयं करें।

अध्याय 18

कहानी लेखन एवं चित्र वर्णन

लिखित प्रश्न

- संकेत–

  * हंसों और कछुए में मित्रता होना
  * तालाब का पानी सूखना
  * हंसों का तालाब छोड़कर जाना
  * कछुए का भी उनके साथ जाने को कहना
  * हंसों का कछुए को छड़ी के सहारे ले जाना
  * गाँवों में लोगों का कछुए को देखना तथा कछुए का गिरना।

एक तालाब में एक कछुआ रहता था। वह बहुत बोलता था। उसी तालाब में दो हंस रोज पानी पीने आया करते थे। उन तीनों में अच्छी मित्रता थी।

एक बार वर्षा न होने के कारण तालाब सूख गया और पक्षी मरने लगे। हंसों ने दूसरी जगह उड़कर जाने के लिए सोचा।

यह बात उन्होंने अपने मित्र कछुए को बताई। हंसों की बात सुनकर कछुआ रोने लगा। उसने उनसे कहा किसी तरह वे उसे भी ले जाएँ। बहुत सोचने के बाद कछुए को एक तरकीब सूझी। उसने हंसों से एक छड़ी लाने को कहा और बोला मैं इस छड़ी के बीच में लटक जाऊँगा और तुम इस छड़ी को दोनों ओर से पकड़कर उड़ जाना। हंसों ने ऐसा ही किया। पर उन्होंने कछुए को सावधान करते हुए कहा कि उड़ते समय तुम जरा भी मत बोलना वरना

पकड़ ढीली होने पर तुम गिर जाओगे। कछुए ने वादा किया कि वह बिल्कुल नहीं बोलेगा। हंस छड़ी को उठाकर उड़ने लगे। कुछ ही देर में तीनों आकाश में उड़ रहे थे। नीचे लोगों ने उन्हें इस प्रकार उड़ते देखा तो चिल्लाने लगे, शोर करने लगे। कछुए को गुस्सा आ गया।

वह गुस्से में कहना चाहता था कि नगर के लोग कितने मूर्ख हैं, शोर कर रहे हैं। उसने ऐसा कहने के लिए जैसे ही मुँह खोला, वह धड़ाम से नीचे आ गिरा। कहते हैं जो लोग दूसरों की बात ठीक न मानकर मनमानी करते हैं। उनका यही हाल होता है।

शिक्षा– हमें अपने मित्रों एवं बड़ों की बात अवश्य माननी चाहिए।